

# डॉ. जॉर्ज पेटन, बाइबल अनुवाद, सत्र 16, अनुवाद के मुद्दों और सर्वोत्तम प्रथाओं की समीक्षा

© 2025 जॉर्ज पेटन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जॉर्ज पेटन हैं, जो बाइबल अनुवाद पढ़ाते हैं। यह सत्र 16 है, अनुवाद मुद्दों और सर्वोत्तम प्रथाओं की समीक्षा।

अब मैं उन मुद्दों की समीक्षा करना चाहता हूँ जिन पर हम बात कर रहे हैं और उन्हें फिर से ध्यान में लाना चाहता हूँ। हमने संभावित मुद्दों का उल्लेख किया है जो सामने आ सकते हैं। हमने अब मुहावरों, रूपकों और अज्ञात विचारों जैसी विभिन्न चीजों का पता लगाया है, और मैं वापस लौटना चाहता हूँ और जो हमने शुरुआत में कहा था उसे उठाना चाहता हूँ ताकि हम देख सकें कि हमने जो शुरुआत में कहा था वह हमारे द्वारा अभी कवर की गई बातों से कैसे जुड़ता है, लेकिन फिर यह उस बात से भी जुड़ जाएगा जिसके बारे में हम आने वाली चर्चाओं में बात करने जा रहे हैं।

इसलिए, हम इस बार अनुवाद और संचार में चुनौतियों के बारे में बात कर रहे हैं। यह इस श्रृंखला के माध्यम से हम जो संचार कर रहे हैं उसका व्यापक अवलोकन है, और हम न केवल मुद्दों की समीक्षा कर रहे हैं, बल्कि उन मुद्दों से निपटने के लिए कुछ सर्वोत्तम प्रथाओं की भी समीक्षा कर रहे हैं। जैसा कि हम याद करते हैं, एक अच्छे अनुवाद के कई गुण होते हैं, और पहला यह है कि इसका सटीक होना ज़रूरी है। इसे बाइबिल के पाठ की सामग्री को संप्रेषित करना होता है, और यह हमारी सोच में सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें इसे सामान्य, प्राकृतिक भाषा और लक्ष्य भाषा, जिस भाषा में पाठ का अनुवाद किया जा रहा है, का उपयोग करके संतुलित करने की आवश्यकता है।

इसे समझना होगा। अगर यह समझ में नहीं आता है, तो क्या हमने अनुवाद किया है? अगर मैं आपसे किसी दूसरी भाषा में बात करता हूँ, तो आप तब तक नहीं समझ पाते कि मैं क्या कह रहा हूँ जब तक कि कोई मेरे लिए अनुवाद करने वाला न हो और कहे, ओह, जॉर्ज ने यह किसी भी भाषा में कहा था। और इसलिए अगर हम संवाद नहीं करते हैं, तो क्या हमने अनुवाद किया है, या हमने अच्छा अनुवाद किया है? अगली बात यह है कि हम इस विशेष समुदाय के लिए जो अनुवाद करते हैं, वह समुदाय को स्वीकार्य होना चाहिए।

उन्हें भाषा पसंद आनी चाहिए। उन्हें अनुवाद की शैली पसंद आनी चाहिए। उन्हें अनुवाद के तरीके से संतुष्ट होना चाहिए।

यह तय नहीं है कि हर कोई हमेशा किए गए अनुवाद की सराहना करेगा। मैंने पहले उल्लेख किया था कि तंजानिया में एक भाषा है। उनके पास न्यू टेस्टामेंट का एक पुराना संस्करण था जो 1900 के आसपास किया गया था।

बाद में, विक्लिफ़ नहीं, बल्कि एक अन्य बाइबल एजेंसी ने पुराने नियम का अनुवाद किया और नए नियम को फिर से तैयार किया, इसलिए उन्होंने लगभग पाँच या छह साल में पूरी बाइबल

तैयार कर ली, बहुत ही कम समय में। लेकिन लोगों को अनुवाद पसंद नहीं आया। और मैं उनसे बात करता हूँ, आपको यह क्यों पसंद नहीं आया? मुझे नहीं पता, हमें यह पसंद नहीं आया।

तो, लोग इसका इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। तो, क्या उन्होंने अपना काम ठीक से किया? अगर यह शेल्फ पर पड़ा रहता है और अगर लोगों को इसका अनुवाद पसंद नहीं आता है तो भी यह ठीक नहीं है। तो यह एक बात है। इसे स्वीकार्य होना चाहिए।

यह वही होना चाहिए जिसकी वे अपेक्षा कर रहे हैं। यदि वे ऐसे अनुवाद की अपेक्षा कर रहे हैं जो ग्रीक और हिब्रू से अधिक जुड़ा हुआ है, शायद थोड़ी अधिक औपचारिक लगने वाली भाषा, तो शायद यह वह शैली है जिसे वे धर्मग्रंथ के रूप में समझते हैं। ऐसा तब होता है जब आप एशिया में काम करते हैं, उदाहरण के लिए, भारत में, या मुस्लिम संदर्भ में या हिंदू संदर्भ में, और वे उच्च स्तर की भाषा की अपेक्षा कर सकते हैं।

और अगर हम उन्हें कुछ ऐसा देते हैं जो किशोरों या बच्चों के स्तर का लगता है, तो वे इसे अस्वीकार कर सकते हैं क्योंकि यह वह नहीं है जिसकी वे अपेक्षा कर रहे थे। इसलिए हमें हमेशा लोगों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखना चाहिए। यह प्रभावशाली होना चाहिए।

यह उन्हें आकर्षित करना चाहिए और उनके साथ शक्तिशाली तरीके से संवाद करना चाहिए। हम चाहते हैं कि यह एक सुंदर उत्पाद हो, लेकिन एक प्रभावशाली उत्पाद हो। और जैसा कि हमने कहा, यह उनकी अपेक्षाओं के अनुसार होना चाहिए।

हम यह कैसे जानते हैं? यह एक ऐसी चर्चा है जो आम तौर पर किसी अनुवाद परियोजना की शुरुआत में होती है। आप क्या चाहते हैं? हम आपके ईसाई समुदाय की ज़रूरतों को पूरा करने में आपकी कैसे मदद कर सकते हैं? फिर हम इस पर कैसे सहमत हो सकते हैं और इसे कैसे दस्तावेज़ित कर सकते हैं ताकि हम सभी के बीच यह आपसी समझ हो? और आज बायो-ट्रांसलेशन सर्किल में जिस शब्द का इस्तेमाल किया जाता है वह है अनुवाद संक्षिप्त। अनुवाद संक्षिप्त बस एक दस्तावेज़ है जो बताता है, हम इसका अनुवाद इस तरह करने जा रहे हैं, लक्षित दर्शक कौन हैं, अनुवाद करने वाले लोग कौन हैं, और हम यही उम्मीद कर रहे हैं।

और इसलिए शुरू में उम्मीदों को स्पष्ट करना वास्तव में बहुत मददगार होता है ताकि आप जान सकें कि लोग क्या चाहते हैं, ताकि आप उन्हें दे सकें, आप उन्हें न दें, लेकिन आप उनकी मदद करें और उनके साथ मिलकर काम करें ताकि वे जिस शैली और भाषा के बारे में चाहते हैं, वह सब तैयार हो सके। और इसलिए हमारे पास ये लक्ष्य हैं। और जैसा कि हमने कहा, हमारा लक्ष्य प्रभावी संचार है।

इसलिए हम एक ऐसा अनुवाद बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं जो सटीक, स्वाभाविक, स्पष्ट, स्वीकार्य, प्रभावशाली और लक्षित दर्शकों के अनुरूप हो। तो यही हमारा लक्ष्य है। हम इसी दिशा में काम कर रहे हैं।

वे आदर्श हैं। यही एक अच्छी गुणवत्ता वाला अनुवाद है। वे हमारा लक्ष्य हैं।

लेकिन फिर, लक्ष्य के अलावा, यह हमारे माप का मानक है। अनुवाद करने के बाद हम इसकी जांच करते हैं। हमें हमेशा इसके पूरी तरह से समाप्त होने तक इंतजार नहीं करना पड़ता।

हम इसे चरणों में, कदम दर कदम कर सकते हैं, ताकि हम इस बात को जान सकें कि यह वह अनुवाद शैली है जो हम चाहते हैं, कि हम अपने फुटनोट इस तरह चाहते हैं, और कि हम इस तरह से पृष्ठ की शैली चाहते हैं। सब कुछ पहले से ही स्पष्ट किया जा सकता है। हम यह देखने के लिए लोगों के साथ इसका परीक्षण करते हैं कि क्या हम सही रास्ते पर हैं। और फिर हम आगे बढ़ते हैं, और हम अनुवाद प्रक्रिया जारी रखते हैं।

हमने जिस दूसरी बात पर चर्चा की, वह यह है कि बाइबल का अनुवाद करना इतना कठिन क्यों है। बाइबल का अनुवाद चुनौतीपूर्ण क्यों है? हमने बाइबल अनुवाद की कई चुनौतियों के बारे में भी बात की। और यह सब इस तथ्य से उपजा है कि मानव संचार, जैसा कि हम कह सकते हैं, गूढ़ है। यह अपर्याप्त रूप से निर्दिष्ट है।

हम वह सब कुछ नहीं कहते जो हम कह सकते हैं। भाषा की मितव्ययिता वास्तव में बहुत सराहनीय है। इसलिए अगर मैं आपसे कहता हूँ, डलास ने रविवार को खेल जीता, तो मैं वहां बहुत सारी जानकारी छोड़ रहा हूँ।

सबसे पहले, डलास क्या है, और खेल क्या है? आप किस खेल की बात कर रहे हैं? ठीक है? लेकिन अगर आप जानते हैं कि मैं काउबॉय के बारे में बात कर रहा हूँ, तो आप जानते हैं कि मैं फुटबॉल के बारे में बात कर रहा हूँ, और आप जानते हैं कि खेल रविवार को खेले जाते हैं, और आप जानते हैं कि इस साल उनका सीजन बहुत खराब रहा, और बाकी सब, ठीक है? ठीक है। लेकिन हम सभी भाषा की अर्थव्यवस्था का उपयोग करते हैं क्योंकि यह संचार प्रवाह में मदद करता है। यह बहुत अधिक शब्दों का उपयोग किए बिना और बहुत अधिक स्पष्टीकरण में जाने के बिना चीजों को संक्षिप्त तरीके से कहने में मदद करता है क्योंकि अगर आप बहुत अधिक विवरण में जाने लगते हैं तो लोग ध्यान देना बंद कर देते हैं।

इसलिए, हम इसे दूसरे लोगों से इस तरह कहते हैं, और वे भी इसे हमसे इस तरह कहते हैं, और हम लेखन और भाषा की इस प्रकृति में भी यही बात देखते हैं। इसलिए हमने इस श्रृंखला में पहले संचार के रूप में भाषा और संचार के एक उपसमूह के रूप में बाइबल अनुवाद के बारे में बात की थी। इसलिए, हम चीजों को संक्षिप्त तरीके से कहते हैं, और हम मानते हैं कि दूसरा व्यक्ति अंतराल को भर सकता है।

अगर मैं अपने दोस्त से कहता हूँ कि डलास रविवार को हार गया, तो मैं मान लेता हूँ कि वह वह सब जानता है जो हमने पहले बताया था, कि डलास एक फुटबॉल टीम है, और यह एक पेशेवर स्तर की टीम है, आदि। इसलिए, मैं मान लेता हूँ कि वह व्यक्ति अंतराल को भर सकता है। मैं मान लेता हूँ कि दूसरा व्यक्ति जानता है कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ।

और इसलिए, हमने अमेरिकी संस्कृति, फुटबॉल और टीम के बारे में विशेष जानकारी साझा की है। और मैं यहाँ डलास में हूँ; मैं यहीं रहता हूँ, इसलिए अगर मैं कहता हूँ कि डलास ने इतना अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, तो संभावना है कि जिस व्यक्ति से मैं बात कर रहा हूँ उसने खेल देखा

होगा या कम से कम उसे पता होगा कि उन्होंने कैसा प्रदर्शन किया और स्कोर क्या था। इसलिए, मैं यह कहकर बहुत सी बातें मान रहा हूँ कि डलास ने रविवार को अच्छा प्रदर्शन किया।

और मैं यह मानकर चल रहा हूँ कि वह जानता है कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ, और मुझे यह सब स्पष्ट रूप से बताने की ज़रूरत नहीं है। इसलिए साझा ज्ञान हमें अपनी भाषा में स्पष्ट रूप से बोलने में सक्षम बनाता है। यह साझा ज्ञान सभी प्रकार और विभिन्न प्रकारों का हो सकता है।

यह परिस्थितिजन्य हो सकता है; यह मेरे और किसी अन्य व्यक्ति के बीच हो सकता है, और हम स्थिति जानते हैं। इसलिए अगर मैं अपनी पत्नी से कहता हूँ, शुक्रवार की रात के बारे में क्या, और वह कहती है कि मुझे काम करना है, मेरे अलावा किसी और को नहीं और वह जानती है कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं। लेकिन हमारे बीच पहले से ही एक बातचीत थी, अरे, क्या हम शुक्रवार की रात को डिनर के लिए बाहर जा सकते हैं? मुझे नहीं पता, और मुझे देखना होगा कि मुझे काम करना है या नहीं, आदि।

तो, परिस्थितिजन्य ज्ञान है जिसे मैं और दूसरा व्यक्ति साझा कर सकते हैं, या जिसे वक्ता और श्रोता, या जिसे लेखक और पाठक साझा कर सकते हैं। भाषा साझा भाषा है; न केवल हम एक ही भाषा बोलते हैं, बल्कि हम समान तरीकों से भाषा का उपयोग करते हैं। हम भाषा के ऐसे नियमों का भी उपयोग करते हैं जिन्हें अधिकांश लोग समझ सकते हैं।

भाषा बदल रही है। मुझे याद है कि मैं कई साल पहले बायोला में पढ़ा रहा था, और मैं एक कॉन्सर्ट में गया था जो एक टैलेंट शो की तरह था। जीतने वाला लड़का एक अद्भुत गिटार वादक था।

और इसलिए अगले दिन, मैंने पूछा, अरे, तुम उस लड़के के बारे में क्या सोचते हो जिसने टैलेंट शो जीता? मैंने बायोला के इन छात्रों से पूछा, और उन्होंने कहा कि वह हास्यास्पद है। और मैंने सोचा, वाह, यह बहुत कठोर है। हमारे पास एक जैसी साझा भाषा नहीं थी।

हास्यास्पद एक विशेषण था, जिसका अर्थ था कि उसने बहुत बढ़िया काम किया। ठीक है, तो पीढ़ी दर पीढ़ी भाषा बदलती है, और इसलिए आपको ये सभी नए शब्द सीखने पड़ते हैं जो लोगों ने गढ़े हैं, जैसे कि फ्रेनमी और दूसरी तरह की चीज़ें। लेकिन भाषा का साझा उपयोग और भाषा की साझा परंपराएँ।

संस्कृति। हम सभी एक ही संस्कृति से आते हैं। हम सांस्कृतिक मूल्यों को जानते हैं।

हम जानते हैं कि संस्कृति वह है जो अपेक्षित है। इसलिए, हम कुछ निश्चित प्रतिक्रियाओं की अपेक्षा करते हैं। हम कुछ निश्चित चीज़ों के घटित होने की अपेक्षा करते हैं।

और यह परिचित है। यह वह है जिसे हम अपने पूरे जीवन में अनुभव करके सहज रूप से जानते हैं। इसलिए, भाषा परिचित और अपेक्षित है।

और इसलिए हम सभी इसे साझा करते हैं। हम सभी का एक साझा विश्वदृष्टिकोण है। विश्वदृष्टिकोण एक ऐसी चीज है जिसके बारे में हम आम तौर पर बात नहीं करते हैं, लेकिन यह गहरा और आंतरिक है, और यह उस संस्कृति में हर किसी में है।

और हमारे मूल्य समान हैं। इसलिए, एक विश्वदृष्टि को महत्व दिया जा सकता है। एक विश्वदृष्टि वह हो सकती है जो दुनिया के बारे में सच है और हम दुनिया को कैसे देखते हैं।

पश्चिम में, हमारे पास दुनिया के बारे में बहुत वैज्ञानिक दृष्टिकोण है, और हम कह सकते हैं कि ठीक है, आप दुनिया को पाँच इंद्रियों के रूप में देखते हैं। हम जानते हैं कि वहाँ अन्य चीजें भी हैं, लेकिन क्या हमारे पास अदृश्य दुनिया के बारे में एक व्यापक विश्वास प्रणाली है? मेरा सुझाव है कि नहीं। हालाँकि, अन्य संस्कृतियों के लोगों के पास अदृश्य दुनिया के बारे में एक व्यापक दृष्टिकोण है।

इसलिए, हमारे विश्वदृष्टिकोण में अंतर हैं, लेकिन हम सभी इसे साझा करते हैं। इसलिए, हमारे पास इतने सारे अलग-अलग विषयों पर यह सारा ज्ञानकोष है, इतनी सारी अलग-अलग चीजें जो हमारे समूह से संबंधित हैं। और इसलिए, हम सभी इसे साझा करते हैं, और यह सब भाषा को गूढ़ और अनिर्दिष्ट होने में सक्षम बनाता है।

तो, इसका बाइबल अनुवाद से क्या लेना-देना है? बाइबल में वर्णित लोगों के पास वे सभी चीजें थीं जो वे साझा करते थे। हम बाइबल के उन लोगों में से नहीं हैं, इसलिए हम वह सारी जानकारी साझा नहीं करते। इसलिए, जब वे बाइबल में संवाद करते हैं, तो वे उस व्यक्ति से संवाद कर रहे होते हैं जो उनके ज्ञान समूह में है, लेकिन हमारे पास वह नहीं है।

और इसलिए हम नए नियम के समय से 2,000 साल दूर हैं और पुराने नियम के समय से भी ज़्यादा दूर हैं। और यही अनुवाद की समस्या का एक बड़ा हिस्सा है। और क्योंकि हमारे पास वह साझा ज्ञान नहीं है, इसलिए हम अपनी संस्कृति के किसी व्यक्ति की तरह अंतराल को भरने में सक्षम नहीं हैं।

इसलिए, जब आप एक शाब्दिक संस्करण तैयार करते हैं जो पाठ के शब्दों को आगे बढ़ाता है, तो आप सोचते हैं, ओह, ठीक है, हर कोई समझ जाएगा। सवाल यह है कि क्या उनके पास अंतराल को भरने के लिए पर्याप्त जानकारी है? वे अंतराल केवल शाब्दिक अनुवादों में ही नहीं आते हैं, बल्कि किसी भी अनुवाद में भी आते हैं जो पाठ को पढ़ने वाले लोगों के लिए पर्याप्त विशिष्ट नहीं होने का जोखिम उठाता है। ठीक है, जारी रखने के लिए, और इसलिए बाइबिल के संदेश के प्रभावी संचार को प्राप्त करने के लिए, हम बाइबिल के पाठ में संचार में अंतराल को भरने का प्रयास करते हैं, या इसे दूसरे तरीके से देखें, तो हम संचार में सभी बाधाओं या बाधाओं को जितना संभव हो उतना दूर करने की कोशिश कर रहे हैं।

और हम ऐसा जानबूझकर और सक्रिय रूप से करते हैं क्योंकि क्यों? हम प्रभावी संचार चाहते हैं। क्योंकि बाइबल अनुवाद मूल रूप से एक मानवीय संचार उपकरण है। और इसलिए हम प्रभावी संचार चाहते हैं ताकि अनुवाद प्राप्त करने वाले लोग इससे जुड़ सकें, इसे समझ सकें,

इससे लाभ उठा सकें, और वे सभी आध्यात्मिक, भावनात्मक और बौद्धिक लाभ प्राप्त कर सकें जो हमें अपनी भाषा में इसे प्राप्त करने से मिलते हैं और जो लोगों को सदियों से शास्त्रों से मिलते रहे हैं।

जैसा कि मैंने कहा, शाब्दिक अनुवाद में अक्सर वे अंतराल रह जाते हैं, और इसका परिणाम ऐसा पाठ होता है जो शायद समझ में न आए या स्वाभाविक न हो। और मैंने पाया है कि जब कोई पाठ समझ में न आए, तो अक्सर वह स्वाभाविक नहीं होता। या अगर वह स्वाभाविक नहीं है, तो अक्सर वह समझ में भी नहीं आता।

और इसलिए, हमें इससे सावधान रहने की ज़रूरत है। और कुछ मामलों में, मैंने पिछले भाषण में उदाहरण दिए हैं जहाँ शाब्दिक अनुवाद वास्तव में गलत अर्थ दे सकता है। इसलिए, हम लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रभावी संचार चाहते हैं, और ऐसा करने के लिए हमें अंतराल को भरना होगा।

इसलिए, इन बाधाओं को हटाकर, हम लोगों के लिए धर्मग्रंथ को आत्मसात करना और उससे जुड़ना संभव बना रहे हैं। कई बार, यह संभव है। कभी-कभी, संचार बाधाओं को दूर करना संभव नहीं होता है, लेकिन अधिकांश बार, यह संभव है।

और हम यह कैसे जानते हैं? खैर, एक बात के लिए, सेप्टुआजेंट के अनुवाद से शुरू करते हुए, हिब्रू पुराने नियम का हिब्रू से ग्रीक में अनुवाद लगभग 250 ईसा पूर्व हुआ। ठीक है? या 300 ईसा पूर्व से 250 ईसा पूर्व, जब उन्होंने इसे शुरू किया। तो हम हिब्रू से ग्रीक में अनुवाद के 2200 से अधिक वर्षों के इतिहास की बात कर रहे हैं, और फिर ग्रीक से इन सभी अन्य भाषाओं में, और वर्षों में हजारों-हजारों भाषाओं का अनुवाद किया गया है।

तो हाँ, बाइबल का प्रभावशाली ढंग से अनुवाद करना संभव है। हाँ, इनमें से कुछ बाधाओं को तोड़ना संभव है। क्या यह हमेशा संभव है? ज़रूरी नहीं, लेकिन ज़्यादातर मामलों में इसका जवाब हाँ ही होता है।

और हमारे पास यह साबित करने के लिए इतिहास है। ठीक है, इसलिए हमें भाषाई विशेषताओं को समायोजित करना होगा। हिब्रू या ग्रीक में जिस तरह से बातें कही जाती हैं, वह आज हम जिस तरह से बात करते हैं, वह नहीं है।

इसलिए, हम इसे फिर से लिखते हैं। कई बार, हमें पाठ में निहित जानकारी जोड़ने की ज़रूरत होती है ताकि लोग शब्दों और कही गई बातों और उनके मतलब के बीच संबंध बना सकें। और कभी-कभी जो सुनाई देता है और उसका वास्तविक अर्थ क्या है, उसके बीच अंतर होता है।

ठीक है? लेकिन पाठ में कुछ चीजें डालकर या पाठ में कुछ बदलाव करके या उसे अनुकूलित करके सभी कमियों को दूर करना संभव नहीं है। इसलिए, अगर ऐसा करना संभव नहीं है, तो हम क्या करते हैं? या कभी-कभी इसे अच्छी तरह से करना संभव नहीं होता है। हम इसे कैसे संभालते हैं? तो यहाँ हम हैं, सर्वोत्तम प्रथाओं के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं।

तो, हम पाठ में डाले बिना जानकारी कैसे दे सकते हैं? सबसे पहले, हमारे पास पैराटेक्स्टुअल या पाठ के बाहर की सामग्री है। तो, यह पूरक सामग्री है जिसे हम बाइबल की पुस्तक, नए नियम या पूरी बाइबल में डालते हैं, लेकिन यह पाठ के भीतर नहीं है। जैसे क्या? फुटनोट्स।

हम फुटनोट डालते हैं, और यह पाठ में उन चीज़ों को समझा सकता है जिन्हें समझना मुश्किल है, लेकिन लोग फुटनोट पढ़ते हैं, और यह कहता है, ओह, वाक्यांश उनके दिल को कठोर बनाता है इसका मतलब यह है। या वाक्यांश उसके हाथ धोए का मतलब यह है। और इसलिए, हम पाठ में चीज़ों को समझा सकते हैं, और कभी-कभी, भले ही आप इसे ग्रीक या हिब्रू के रूप में थोड़ा और करीब बनाते हैं, यह विशेष रूप से प्रभावी होता है यदि आप इसे कहीं समझा सकते हैं।

यदि आपके पास बिना किसी स्पष्टीकरण के शाब्दिक अनुवाद है, तो हर जगह अंतराल होंगे। इसलिए यदि आप शाब्दिक अनुवाद या कुछ और करने जा रहे हैं, तो मैं इसे इस तरह से रखूंगा : फॉर्म-आधारित, ग्रीक या हिब्रू फॉर्म के करीब, फुटनोट्स आवश्यक हैं। अन्यथा, आप लगभग गारंटी दे सकते हैं कि आपके पास अंतराल होने जा रहे हैं।

और अगर आपमें अंतराल है, तो क्या लोग इसे पढ़ पाएंगे? और अगर उन्हें इसे समझने के लिए इतनी मेहनत करनी पड़े, तो वे अंततः हार मान लेंगे। बस अपने बारे में सोचो। हममें से कितने लोग वास्तव में किंग जेम्स को पढ़ना चाहते हैं? यह 1600 के दशक जैसा लगता है।

हम ऐसा नहीं कर सकते। यह बहुत कठिन है। इसलिए, अगर इसमें बहुत ज़्यादा मेहनत लगेगी, तो वे ऐसा नहीं करेंगे।

फुटनोट पाठक पर बोझ कम करने में मदद करते हैं। दूसरा, शब्दावलियाँ। आपके पास शब्दों की एक शब्दावली हो सकती है।

आपके पास मंदिर, फरीसी और टोरा जैसी चीज़ों की शब्दावली हो सकती है। आपके पास स्थानों की शब्दावली हो सकती है। आपके पास लोगों की शब्दावली हो सकती है।

आप अपने फुटनोट में संदर्भ डाल सकते हैं; इस शब्द को शब्दावली में देखें। तो, शब्दावली के साथ फुटनोट का उपयोग करें। और दिलचस्प बात यह है कि इन सभी चीज़ों के बारे में जो मैं बात कर रहा हूँ, एक निश्चित अनुवाद शैली है जो विकसित होगी।

मुझे याद है कि जब हम फुटनोट में क्रॉस-रेफ़रेंस करने की कोशिश कर रहे थे, तो शब्दावली में टेम्पल देखें। आप इसे भाषा में कैसे कहते हैं? खैर, सबसे पहले, आपको शब्दावली के लिए एक शब्द का आविष्कार करना होगा। और इसलिए हमने नए शब्द कहे।

और इसलिए पीछे की शब्दावली में, हमने नए शब्दों को लेबल किया। आप नए शब्दों में मंदिर कैसे देखते हैं? और हमने जो कहा वह नए शब्दों में मंदिर शब्द को देखना था। तो वह पूरा वाक्य फिर क्रॉस-रेफ़रेंस रखने का हमारा मानक तरीका बन गया।

अब, अगर यह केवल पाठ में कुछ समझा रहा है, तो आप कह सकते हैं कि मंदिर शब्द का अर्थ है वह स्थान जहाँ वे भगवान के लिए जानवरों की बलि देते थे या जो भी आप जोड़ना चाहते थे। लेकिन फिर, अगर आप एक विस्तृत व्याख्या चाहते हैं, तो आप फुटनोट में छोटी बात कहेंगे, और लंबी बात आप कह सकते हैं, नए शब्दों के बीच इस शब्द को देखें। पुस्तक परिचय।

पुस्तक परिचय लोगों को संदर्भ के एक ढांचे के बारे में बताने में बहुत बढ़िया है, ताकि वे पुस्तक में जो कुछ पढ़ने जा रहे हैं, उसे उस संदर्भ के ढांचे पर लटका सकें। मेरी एक सहकर्मी मीका की पुस्तक का अनुवाद उन लोगों के एक समूह के साथ कर रही थी, जिनके साथ वह कई वर्षों से काम कर रही थी। और बाद में वह एक सलाहकार बन गई जब तक कि उन्होंने इसका अनुवाद नहीं कर लिया, और फिर उसने मीका के अर्थ पर उनसे परामर्श किया।

वह उसी समय मीका की पुस्तक पर पीएचडी भी कर रही थी। इसलिए, वह मीका की संरचना, इसे एक साथ रखने का तरीका, अलंकारिक कार्य, मीका के माध्यम से परमेश्वर क्या कहना चाह रहा था, इन सभी बातों का बहुत विस्तार से अध्ययन कर रही थी। इसलिए उन्होंने इसे पढ़ा और इसका अनुवाद किया, और सब कुछ सही ढंग से अनुवादित किया गया था।

और उसने कहा, क्या तुम समझते हो कि मीका किस बारे में बात कर रहा है? और वे कहते हैं, ठीक है, हमने यह छोटा सा परिचय लिखा है, और उन्होंने परिचय पढ़ा। उसने कहा, ठीक है, यह वही है जो मैंने अपने शोध में पाया। यह एक अदालती मामले का उदाहरण है जहाँ परमेश्वर इस्राएल राष्ट्र के विरुद्ध, उत्तर में इस्राएल के विरुद्ध, और दक्षिण में यहूदा के विरुद्ध आरोप लगा रहा है। और ऐसा लगता है जैसे वह उन्हें इस अदालती दृश्य में परखने के लिए बड़ों के सामने ला रहा है।

और वह उन्हें आजमा रहा है क्योंकि वे उसके साथ बेवफ़ा रहे हैं जैसे एक पत्नी अपने पति के साथ बेवफ़ा हो सकती है। और उन्होंने कहा, सच में? हमें वह नहीं मिलता अगर आपने हमें यह नहीं बताया होता। उन्होंने कहा कि हमें परिचय को फिर से लिखना होगा।

और इसलिए, उन्होंने परिचय को फिर से लिखा। और फिर यह दो या तीन पेज लंबा हो गया। लेकिन उन्होंने कहा कि हमारे लोगों को यह जानने की ज़रूरत है।

और जब वे पहले परिचय पढ़ते हैं, तो उसके बाद उन्हें यह समझने का कठिन काम करना पड़ता है कि क्या हो रहा है। जब आप मीका की पुस्तक पढ़ते हैं, तो आपको पता नहीं होता कि यह कब लिखी गई। आपको पता नहीं होता कि इसे किसने लिखा।

आपको इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं है कि इसके पीछे क्या परिस्थितियाँ थीं, उन्हें इसे लिखने के लिए किसने प्रेरित किया। आपको इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं है कि लेखक लोगों से क्या अलग करना चाहता था। जब आप सीधे मीका की किताब पढ़ते हैं तो इनमें से कोई भी बात सामने नहीं आती।

लेकिन पुस्तक परिचय संवाद स्थापित करने और उन्हें समय से पहले संदर्भ का ढांचा देने के लिए ऐसा कर सकते हैं। मुझे याद है कि जब हम ओरमा भाषा में अनुवाद कर रहे थे, तो हमें ये पुस्तक

परिचय मिलते थे, और वे लंबे होते थे, और वे तकनीकी होते थे। और आप बस सोच रहे थे, हे भगवान, हम इस पुस्तक परिचय का ओरमा में अनुवाद कैसे कर सकते हैं ताकि ये लोग इसे समझ सकें? जैसा कि पता चला, मेरे बच्चों के पास बच्चों के लिए एक एनआईवी अध्ययन बाइबिल थी जिसमें छोटी पुस्तक परिचय थी।

वे संक्षिप्त थे, लेकिन वे पूर्ण भी थे। और इसलिए मैंने कहा, अरे, क्या हम इसे पुस्तक परिचय के लिए ओर्मा में अनुवाद कर सकते हैं? और उन्होंने कहा, हाँ। और इसलिए हमने वही किया।

ऐसा नहीं है कि ओर्मास बच्चे हैं। बात यह है कि सामान्य बाइबल में इस्तेमाल की जाने वाली भाषा का अनुवाद करना बहुत ही मुश्किल है। इसलिए अनुवादीयता एक बहुत ही महत्वपूर्ण चीज़ है।

तो, हमें उन किताबों के परिचय मिल गए। ठीक है, क्रॉस-रेफरेंस, जैसा कि मैंने कहा, सही व्याकरण, जैसा कि यह था, इस शब्द को देखें, लेकिन साथ ही, जब आप चाहते हैं कि वे किसी अन्य आयत को देखें तो आप क्या करते हैं? आपके पास CF रोमियों 5:17 नहीं हो सकता। आप क्या करते हैं? इसलिए हमें इसे कहने का एक तरीका निकालना था, या तो देखें या देखें या खोजें। फिर, संदर्भ स्पष्ट होना चाहिए: रोमियों 5:17 की पुस्तक या पुराने नियम का संदर्भ।

जब आपके पास पुराने नियम में संदर्भ है, लेकिन पुराना नियम नहीं है, तो आप क्या करते हैं? यह वास्तव में बहुत कठिन है। हाँ, इसलिए क्रॉस-रेफरेंस उनकी मदद कर सकते हैं, और फिर वे तुलना कर सकते हैं। क्योंकि यदि आपके पास मार्क में एक श्लोक है, जो मैथ्यू और ल्यूक जैसे अन्य समकालिक सुसमाचारों में भी परिलक्षित होता है, तो आप कह सकते हैं, यहाँ मैथ्यू और वहाँ ल्यूक देखें।

यह एक मददगार बात है, और इसलिए वे शास्त्रों का उपयोग कर सकते हैं। यह एक फुटनोट में किया जा सकता है। कभी-कभी, यह एक अनुभाग शीर्षक के नीचे किया जाता है, जहाँ उनके पास मार्क में मार्ग होता है, और फिर अनुभाग शीर्षक के नीचे कोष्ठक में, आपके पास मैथ्यू और ल्यूक के मार्ग होते हैं और इसके विपरीत।

और फिर, अनुभाग शीर्षक। अनुभाग शीर्षक एक और सहायक उपकरण हो सकता है। अनुभाग शीर्षक बहुत पेचीदा होते हैं।

मैंने अंग्रेजी बाइबिल देखी, और प्रेरितों के काम को देखते हुए, मैंने एक ऐसा देखा जिसमें लिखा था, इफिसुस में। क्षमा करें, इफिसुस में। यह हमें पाठ में आने वाली बातों के बारे में क्या बताता है? वास्तव में, बहुत कुछ नहीं।

मुझे उस खंड शीर्षक से बहुत कुछ नहीं मिला। लेकिन सवाल यह है कि क्या खंड शीर्षक उन्हें आगे आने वाली चीज़ों के लिए तैयार करता है? पॉल एक्सोडस का दौरा करता है। ऐसा कुछ ज़्यादा संवादात्मक होगा।

इसलिए, हम संवादात्मक अनुभाग शीर्षक चाहते हैं। साथ ही, अनुभाग शीर्षकों का व्याकरण क्या है? और अक्सर अंग्रेजी में, हम कहते हैं, पॉल विज़िट करता है, या पॉल विज़िट कर रहा है, या

पॉल...हाँ। इसलिए, हम इसे वर्तमान काल में रखते हैं। ओर्मा में, वे इसे भूतकाल में रखना पसंद करते हैं।

पॉल ने इफिसुस में निर्गमन का दौरा किया। फिर से, ऐसी बातें जिनके बारे में आप नहीं सोचते हैं, लेकिन हमें उसी अनुवाद सिद्धांतों का उपयोग करना होगा जिस तरह से हमने पाठ का अनुवाद किया था ताकि पैराटेक्स्टुअल जानकारी भी तैयार की जा सके। इसलिए, बाइबल का अनुवाद करने का एक हिस्सा पैराटेक्स्टुअल जानकारी का अनुवाद करना है जो लोगों के लिए अंतराल को भरने के लिए आवश्यक है।

आप चित्रों का उपयोग कर सकते हैं। आम तौर पर, हम बाइबल में चित्र नहीं डालते हैं। यह पीछे की ओर चित्र हो सकते हैं, मंदिर के चित्र, यरूशलेम के चित्र, जानवरों के चित्र, ऐसी ही अन्य चीज़ें।

नक्शे। नक्शे ठीक हो सकते हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि लोग दुनिया के बारे में सोचते समय हवाई दृश्य के बारे में सोचते हैं या नहीं और फिर वह नक्शा उस वास्तविकता से कैसे जुड़ता है जिसे वे ज़मीन से देखते हैं और इस तरह से चारों ओर देखते हैं।

तो, नक्शे, आपको देखना होगा, क्या यह कुछ अच्छा है जो लोग चाहते हैं? तो ये सिर्फ कुछ पैराटेक्स्टुअल जानकारी है। शायद कुछ और भी हो। पैराटेक्स्टुअल जानकारी के अलावा, हमारे पास सामग्री की एक पूरी श्रेणी है जिसे शास्त्र संबंधी जुड़ाव सामग्री कहा जाता है।

ये बाइबल के बाहर की पूरक सामग्री हैं, ऐसी चीज़ें जिन्हें आप न्यू टेस्टामेंट या पूरी बाइबल के कवर में नहीं रखते हैं जो लोगों को बाइबल के बारे में जानकारी देने और लोगों को बाइबल के बारे में बताने में मदद करती हैं। और ये ऐसी चीज़ें हैं जिनके साथ आप और मैं बड़े हुए हैं, और हम इनके बारे में सोचते भी नहीं हैं। जैसे क्या? जैसे पुस्तिकाएँ, बच्चों के लिए बाइबल की कहानियाँ और पढ़ने में आसान सामग्री।

किसी को तो इन्हें बनाना ही होगा। इसलिए, अनुवाद परियोजना के साथ-साथ इन्हें बनाना लोगों की बाइबल की समझ और उसमें उनकी रुचि को बढ़ाएगा। यह उन्हें इस तरह आकर्षित करता है कि वे शास्त्रों से जुड़ सकें।

मैं कल चर्च में था, और पादरी चर्च में लोगों को बाइबल पढ़ने के लिए प्रेरित करने के बारे में बात कर रहे थे। और उन्होंने कहा, इसलिए मैं इसे फिर से कहने जा रहा हूँ, भले ही आप इसे बार-बार कहते-कहते थक गए हों। अमेरिका में हर पादरी लोगों को बाइबल पढ़ने के लिए प्रेरित करने में संघर्ष करता है।

पवित्रशास्त्र से जुड़ी सामग्री उन्हें आकर्षित कर सकती है और उन्हें बाइबल के पाठ को पढ़ने में रुचि पैदा कर सकती है। संगीत, गीत। आपको याद होगा कि जॉन वेस्ले एक उपदेशक थे।

उनके भाई चार्ल्स वेस्ले एक गीतकार थे। हमारा ईश्वर एक शक्तिशाली किला है। और उन शुरुआती सालों में जब लोग पाठक नहीं थे, हम अपना धर्मशास्त्र गाते थे।

तो, गीत के धर्मशास्त्र ने हमें बाइबल के बारे में सिखाया। चार्ल्स ने जॉन को एक और बात बताई कि 200 साल बाद, कोई भी आपके उपदेशों में से किसी को याद नहीं रखेगा, लेकिन हर कोई मेरे गीतों को याद रखेगा। और वह सही है।

तो, वह 1800 के दशक में रहते थे? और हम आज भी उनके गीत गाते हैं। तो, संगीत एक और शास्त्र संलग्नता उपकरण है जिसे हम लोगों को बनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं, जो शास्त्र के बारे में उनके ज्ञान और उसमें उनकी रुचि को बढ़ाता है। ऑडियो फ़ाइलें।

आप बाइबल को ऑडियो फ़ाइल में भी सुन सकते हैं। मैंने इस बारे में कभी नहीं सोचा, लेकिन क्या होगा अगर आपके पास पॉडकास्ट या रेडियो पर धर्मग्रंथों के बारे में कुछ ऐसे कार्यक्रम हों जो सार्वजनिक रेडियो पर चलाए जाएँ? यह धर्मग्रंथों के बारे में चर्चा हो सकती है। यह एक व्याख्या भी हो सकती है।

यह सिर्फ़ स्थानीय भाषा में लिखे गए धर्मग्रंथ हो सकते हैं। इसमें कई तरह की संभावनाएँ हैं। स्क्रिप्चर ऐप रीडर नामक एक एप्लीकेशन है, जहाँ अगर आपके फ़ोन में स्थानीय भाषा में कोई टेक्स्ट है, तो यह आपको पढ़कर सुनाएगा और शब्दों के बीच में जाकर शब्दों को हाइलाइट करेगा।

और इसलिए लोगों को जोड़ने का एक और तरीका है, स्क्रिप्चर ऐप रीडर। वीडियो। जीसस फिल्म उनमें से एक होगी।

लोगों ने बाइबिल की विषय-वस्तु, बाइबिल के विषयों और बाइबिल की कहानियों पर सभी तरह के अलग-अलग वीडियो बनाए हैं। नाटक। आप न केवल वीडियो बना सकते हैं, बल्कि आप लाइव प्रदर्शन भी कर सकते हैं जिसमें बाइबिल के दृश्यों को दिखाया जाता है।

नृत्य। नृत्य और संगीत एक साथ चलते हैं। और आमतौर पर, नाटक, नृत्य, संगीत और गायन जैसे ये कला रूप परस्पर अनन्य नहीं होते हैं।

ये सभी एक ही तरह की घटना में घटित होते हैं। इसलिए अगर आप गा रहे हैं, तो आप नाच भी रहे हैं, और आपने कुछ शब्द भी बोले हैं या ऐसी ही चीज़ें। इसलिए दूसरी संस्कृतियाँ उन चीज़ों को जोड़ती हैं।

क्या वे अकेले बैठकर संगीत सुनते हैं? अब वे ऐसा करते हैं क्योंकि हमारे पास रिकॉर्डिंग है। और अगर आप लोगों को बाइबल पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं, तो इसे ऑडियो पर डालें और उसमें ईसाई गीत डालें, और आपका ऑडियो बिक जाएगा। कलाकृति।

हमने कितनी बार कलाकृतियाँ देखी हैं? खास तौर पर मध्य युग में। मध्य युग को याद करें, लोग ज़रूरी नहीं कि व्यापक पाठक हों। और इसलिए, यही कारण है कि आपके पास बाइबिल के दृश्यों की पेंटिंग्स थीं।

और फिर इन चित्रों ने कहानी बयां की। तो, माइकल एंजेलो द्वारा चित्रित सिस्टिन चैपल, कमरे के एक छोर से दूसरे छोर तक, उत्पत्ति से रहस्योद्घाटन तक पूरी बाइबिल है। उन्होंने पूरी चीज़ को बाइबिल की एक विशाल सचित्र कहानी के रूप में चित्रित किया।

तो यह एक अन्य प्रकार की कलाकृति का उदाहरण है। इस संस्कृति में कलाकृतियाँ हो सकती हैं। हो सकता है न भी हों।

मुझे नहीं पता। लेकिन ये सब सिर्फ़ अलग-अलग चीज़ों के विचार हैं जिन्हें हम लोगों की शास्त्रों की समझ बढ़ाने के लिए बना सकते हैं। दूसरी चीज़ें, आसानी से पढ़ी जा सकने वाली किताबें।

यूनाइटेड बाइबल सोसाइटीज में एक श्रृंखला बनाई गई थी, जिसमें पाठकों की एक श्रृंखला तैयार की गई थी, जो बाइबल की कहानियों को सरल भाषा में इस्तेमाल करते थे, और फिर यह सामग्री के पढ़ने के स्तर में उत्तरोत्तर अधिक उन्नत होती गई। यह एक बात है। साक्षरता कक्षाएं।

चर्च में साक्षरता कक्षाएं होने से लोगों को पढ़ना सीखने में मदद मिलेगी। और फिर, जब वे पढ़ना सीख जाते हैं, तो वे शास्त्रों को पढ़ना भी सीखते हैं। ये चीज़ें की जा सकती हैं।

बाइबल अध्ययन। क्यों नहीं? बाइबल अध्ययन एक प्रकार का पवित्रशास्त्र अध्ययन है। और इसलिए आपके पास एक लिखित बाइबल अध्ययन सामग्री है, और फिर समूह एक साथ मिल सकते हैं, और वे एक साथ पवित्रशास्त्र का अध्ययन कर सकते हैं।

कुछ जगहों पर जहाँ लोग पहले से पढ़े-लिखे नहीं हैं, आप फिर भी किसी खास अंश की रिकॉर्डिंग चला सकते हैं और बैठकर उसके बारे में बात कर सकते हैं। और ये सुनने वाले समूह बहुत, बहुत लोकप्रिय हैं, यहाँ तक कि उन इलाकों में भी जहाँ धर्मग्रंथ नए हैं और यहाँ तक कि उन इलाकों में भी जहाँ लोग अभी तक ईसाई नहीं बने हैं। और इसलिए, मुस्लिम लोगों या हिंदू लोगों के समूह के लिए इस ऑडियो को चलाने से वे सुरक्षित तरीके से धर्मग्रंथों के साथ जुड़ सकते हैं और ऐसा नहीं लगेगा कि वे अपने लोगों, अपनी संस्कृति और अपने धर्म के साथ विश्वासघात कर रहे हैं।

आपके पास बाइबल संस्कृति पर किताबें हो सकती हैं। आपके पास चित्रों वाली किताब हो सकती है। यह मंदिर है, और फिर आपके पास मंदिर की व्याख्या हो सकती है।

वेदी ऐसी दिखती है, और वेदी के साथ उन्होंने ऐसा किया। ऊँट ऐसा दिखता है। तो, आप ये पुस्तिकाएँ स्वतंत्र रूप से रख सकते हैं, जिनसे लोग जुड़ सकते हैं।

और अब, जब सब कुछ डिजिटल हो गया है, तो आप अपने फोन पर भी ऐसी चीज़ें डाल सकते हैं। हेलेलुयाह। लेकिन किसी तरह, यह होना ही चाहिए, है न? पवित्रशास्त्र से जुड़ी इन सभी बातों का उद्देश्य संस्कृति के एक विशेष उप-समूह, उस समुदाय में एक विशेष लक्षित दर्शक वर्ग को लक्षित करना है।

ये वयस्क हो सकते हैं। ये बच्चे हो सकते हैं। ये पुरुष और पिता भी हो सकते हैं।

यह माताएँ और महिलाएँ हो सकती हैं। यह ईसाई लोगों के लिए हो सकता है। यह उन लोगों के लिए भी हो सकता है जो विश्वासी नहीं हैं।

यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि आप यह विशेष टुकड़ा क्यों बनाना चाहते हैं। आप इसके साथ क्या करने जा रहे हैं? और यह किसके लिए है? इसलिए, हमारा लक्ष्य अपनी पवित्रशास्त्र सहभागिता सामग्री का उपयोग विशेष रूप से उन लोगों के लिए करना है। हर संस्कृति, जिसमें हमारी संस्कृति भी शामिल है, को बाइबल की सामग्री के साथ प्रभावी रूप से जुड़ने के लिए पवित्रशास्त्र सहभागिता सामग्री की आवश्यकता होती है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो अभी तक नहीं पहुँचे हैं, विशेष रूप से उन लोगों के समूह जो अभी तक नहीं पहुँचे हैं। और इसे पूरे बाइबल अनुवाद परियोजना का हिस्सा होना चाहिए।

इसे लोकाचार का हिस्सा होना चाहिए। शुरुआती सालों में कई बार, हमने शास्त्रों के साथ जुड़ाव के बारे में नहीं सोचा। हमने सोचा कि हमें बाइबल को कैसे पूरा करना है।

जब मैं ORMA में काम कर रहा था, तो मेरा लक्ष्य ORMA में धर्मग्रंथों का अनुवाद करना था। और यह मैं और मेरी पत्नी थे। और मेरी पत्नी परिवार की देखभाल कर रही थी, और इसलिए मूल रूप से, यह मैं ही था।

इसलिए, अगर मुझे पवित्रशास्त्र और पवित्रशास्त्र के बीच चुनाव करना होता, तो स्पष्ट कारणों से पवित्रशास्त्र को प्राथमिकता दी जाती। लेकिन अब, बाइबल एजेंसीज इंटरनेशनल, FOBI, के एक संगठन ने एक बयान जारी किया है जिसमें कहा गया है कि लोगों को पवित्रशास्त्र से जुड़ी सामग्री की आवश्यकता है। उन्हें मौखिक अनुवाद की आवश्यकता है।

उन्हें ऑडियो की ज़रूरत है। उन्हें विजुअल की ज़रूरत है। और यह हर अनुवाद कार्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए।

और इसलिए यह अब एक ऐसी चीज़ है जो दुनिया भर में बाइबल अनुवाद मंडलियों में आम है। और इसलिए आप पूछ सकते हैं, आपने अब तक कौन सी पवित्रशास्त्र संलग्न सामग्री तैयार की है? खैर, हमने x, y और z किया है। या वे कह सकते हैं, आप जानते हैं, हमें अभी तक ऐसा करने का मौका नहीं मिला है, लेकिन हम वास्तव में इस समूह के लोगों के लिए यह करना चाहते हैं और उन लोगों के लिए। इसलिए हम देखते हैं कि बाइबल का पाठ और पैरा-टेक्स्ट और पवित्रशास्त्र संलग्नता पवित्रशास्त्र की पूर्ण और अधिक संपूर्ण समझ के लिए आवश्यक है ताकि उन संचार अंतरालों को भरा जा सके जिनसे हम बाइबल का अनुवाद करते समय संघर्ष करते हैं।

आपको ये पवित्रशास्त्र संलग्न सामग्री कब तैयार करनी चाहिए? यह वाकई एक अच्छा सवाल है। इसलिए, इसके लिए समय की योजना बनाइए। कुछ जगहों पर, खास तौर पर अछूते लोगों के समूहों में, आप अनुवाद शुरू होने से पहले पवित्रशास्त्र संलग्न सामग्री तैयार कर सकते हैं।

मुझे एक प्रोजेक्ट के बारे में पता चला। SAL की टीम एशिया में इस खास क्षेत्र में काम करने गई थी, और वहां पहले से ही कोई व्यक्ति अनुवाद पर काम कर रहा था। और इसलिए, उन्होंने कहा, बढ़िया, हम उस व्यक्ति की मदद करेंगे।

और वह व्यक्ति वास्तव में मदद लेने में दिलचस्पी नहीं रखता था। ठीक है, तो वे पहले से ही एक्स संख्या वर्षों से वहां थे, एक या दो साल, भाषा और सब कुछ सीख रहे थे। लेकिन अब वे नए नियम के अनुवाद में शामिल नहीं थे।

तो, उन्होंने कहा, ठीक है, चलो पुराने नियम पर काम करते हैं। और दुर्भाग्य से, एक और एजेंसी यह काम कर रही थी। और उन्होंने कहा, हमारे पास हमारे लोग हैं, धन्यवाद, लेकिन हमें आपकी मदद की ज़रूरत नहीं है।

इसलिए, उन्हें वास्तव में इसमें शामिल होने की अनुमति नहीं थी। हे भगवान, हम क्या करें? उन्होंने उन अनुवाद करने वाले लोगों से भी बात की जिनके साथ वे काम करते थे। और उन्होंने सोचा, ठीक है, शायद हमें कुछ शास्त्र संलग्नता वाली चीजें करनी चाहिए।

और इसलिए, उनके पास वह पाठ था जो न्यू टेस्टामेंट में तैयार किया गया था। लेकिन लोगों ने अभी तक इसके साथ कोई जुड़ाव नहीं किया है। उन्होंने ऐसा नहीं किया; यह बहुत विदेशी और बहुत अजीब था।

और इसलिए, मैंने इस गीत का यह वीडियो देखा जो उन्होंने पारंपरिक संगीत शैली में गाया था। और यह एक स्तुति की तरह था, और यह एक कहानी कह रहा था। और कहानी यीशु के बारे में थी।

वे न केवल गाते थे, बल्कि उनके पास नाचने का एक खास तरीका भी था। और वहाँ लोगों की एक कतार थी, और वे नाच रहे थे, और गा रहे थे, और नाच रहे थे, और इस अद्भुत राजा के बारे में गा रहे थे जो हमारे पास है, महिमा का राजा, जो हमें बचाने आया है, यह राजा जो हमारी मदद करना चाहता है, जो हमें आशीर्वाद देना चाहता है। जब लोगों ने यह सुना, तो आप किस राजा के बारे में बात कर रहे हैं? यह यीशु कौन है जिसका आपने अपने गीत में उल्लेख किया है? और इसने उन्हें अपनी ओर आकर्षित किया।

और फिर वे रुचि लेने लगे, अच्छा, आपको यह कहाँ से मिला? खैर, हमने इसे बाइबल से प्राप्त किया। और इसने उन्हें जोड़ा। फिर, पवित्रशास्त्र की सामग्री के कारण चर्च ने आगे बढ़ना शुरू कर दिया।

इसलिए, पवित्रशास्त्र से जुड़ने के लिए, ऐसा करने का कोई समय नहीं है। और कभी-कभी लोग इसके लिए तैयार नहीं होते। लेकिन यह कुछ ऐसा होना चाहिए जिसे हम जानबूझकर करने की योजना बनाते हैं।

और यह कुछ ऐसा होना चाहिए जो हम जानबूझकर करते हैं। जानबूझकर करना मेरे पसंदीदा शब्दों में से एक है। मेरे जीवन में कुछ भी तब तक नहीं होता जब तक मैं इसे अपनी टू-टू सूची में नहीं डाल देता।

और अगर यह मेरी टू-टू सूची में है, तो किसी समय, मैं इसे पूरा कर लूंगा क्योंकि मैं इसे अपनी दीवार पर देखता हूं। उस चिपचिपे नोट पर, मैं सोच रहा हूं, अरे, मैंने अभी तक ऐसा नहीं किया है। यह जानबूझकर होना चाहिए, और इसे पूरा किया जाना चाहिए।

इसका पालन किया जाना चाहिए। लेकिन हम ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं करना चाहते क्योंकि ऐसा किया जाना चाहिए। हम ऐसा इसलिए करना चाहते हैं क्योंकि हम उस योगदान को महत्व देते हैं जो पैराटेक्स्टुअल और शास्त्र संलग्नता सामग्री उस संदेश में जोड़ती है जो परमेश्वर ने लोगों के लिए दिया है ताकि परमेश्वर सीधे उनसे बात कर सके।

यही सब कुछ है। लक्ष्य भाषा में न केवल प्रभावी संचार बल्कि यह भी संभव बनाना कि ईश्वर लोगों से सीधे अर्थपूर्ण तरीके से बात कर सके, एक ऐसा तरीका जो प्रभावशाली हो, एक ऐसा तरीका जो उन्हें अपनी ओर आकर्षित करे ताकि उनका जीवन बदल सके और ताकि वे ईश्वर के साथ एक गहरा, अधिक घनिष्ठ संबंध बना सकें।

यह डॉ. जॉर्ज पेटन हैं, जो बाइबल अनुवाद पढ़ाते हैं। यह सत्र 16 है, अनुवाद मुद्दों और सर्वोत्तम प्रथाओं की समीक्षा।